● सुनो, पढ़ो और गाओ :

७. प्यारा देश

– हृदयेश मयंक

जन्म : १८ सितंबर १९५१ जौनपुर (उ.प्र.) **रचनाएँ :** मैं, शहर और सूरज, सायरन से सन्नाटे तक, अपने हिस्से की धूप आदि ।
परिचय : आप हिंदी के प्रसिद्ध कवि एवं लेखक के रूप में जाने जाते हैं । मंचों और गोष्ठियों में आपका योगदान सराहनीय है ।
प्रस्तुत कविता में कवि ने भारत की विविधता एवं विशेषताओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपने प्यारे देश का यशगान किया है ।

सुनो तो जरा

किसी अन्य भाषा में गाए जाने वाले देशप्रेम के गीत सुनो और साभिनय सुनाओ ।

गंगा जिसकी अक्षुण्ण धरोहर
यमुना-सा निर्मल मन जिसका
ऐसा प्यारा देश है किसका ?

सबसे पहले सूरज आकर
रच जाता सिंदूर सुबह का
लाली किरणें चूनर बनतीं
भोर करे शृंगार दुल्हन का
हिमगिरि जैसा रक्षक जिसका
ऐसा प्यारा देश है किसका ?

आसमान छूता मस्तक हो
सागर उठ-उठ चरण धरे
बाँहे हैं पंजाब, हिमांचल
हिम में गंगा जल लहरे
सोना-हीरा कण-कण जिसका
ऐसा प्यारा देश है किसका ?

भाषाएँ खुद गहना बनकर
रूप निखारें इस दुल्हन का
हिंदी कुम-कुम बनकर सोहे
बाँकी बनती छवि दर्पन का
जन, गन, मन अधिनायक जिसका
ऐसा प्यारा देश है किसका ?

खेतों के रक्षक किसान
सीमाओं पर हैं तने जवान
राम-कृष्ण, अल्ला सबके हैं
पढ़ते सब गीता, कुरान
हर पुत्री सावित्री जिसकी
हर सपूत शिव-राणा जिसका
ऐसा प्यारा देश है किसका ?

❑ उचित हाव-भाव के साथ कविता का सामूहिक, साभिनय पाठ करवाएँ । किसी सैनिक/ महत्वपूर्ण व्यक्ति का साक्षात्कार लेने के लिए प्रेरित करें । अपने देश से संबंधित चार पंक्तियों की कविता करने के लिए कहें । अन्य प्रयाण/अभियान गीतों का संग्रह करवाएँ ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

अक्षुण्ण = समूची, अखंड
धरोहर = अमानत
निर्मल = शुद्‌ध
सोहना = शोभित होना
छवि = सौंदर्य
सपूत = लायक पुत्र

खोजबीन

इस वर्ष का सूर्यग्रहण कब है ? उस समय पशु-पक्षी के वर्तन-परिवर्तन का निरीक्षण करो और बताओ ।

भूगोल सातवीं कक्षा पृष्ठ ७

विचार मंथन

।। खेतों के रक्षक किसान, सीमा के रक्षक जवान ।।

वाचन जगत से

समाचार पत्र से बहादुरी के किस्से पढ़ो और संकलन करो ।

✻ गाँव/शहर का वर्णन चार पंक्तियों की कविता में लिखो ।

भाषा की ओर

निम्नलिखित वाक्य पढ़ो तथा मोटे और ( ) शब्दों पर ध्यान दो :

१. सर्वेश ने परिश्रम किया **और** इस परिश्रम ने उसे सफल बना दिया ।

२. मैं कर्ज में डूबा था **परंतु** मुझे असंतोष न था ।

३. प्रगति पत्र पर माता जी **अथवा** पिता जी के हस्ताक्षर लेकर आओ ।

४. मैं लगातार चलता **तो** मंजिल पा लेता ।

५. मुझे सौ-सौ के नोट देने पड़े **क्योंकि** दुकानदार के पास दो हजार के नोट के छुट्टे नहीं थे ।

उपर्युक्त वाक्यों में **और, परंतु, अथवा, तो, क्योंकि ....** शब्द अलग-अलग स्वतंत्र वाक्यों या शब्दों को जोड़ते हैं । ये शब्द **समुच्चयबोधक अव्यय** हैं ।

१. वाह ! क्या रंग-बिरंगी छटा है ।

२. अरे ! हम कहाँ आ गए ?

३. शाबाश ! इसी तरह साफ-सुथरा आया करो ।

४. अरे रे ! पेड़ गिर पड़ा ।

५. छि: ! तुम झूठ बोलते हो ।

उपर्युक्त वाक्यों में **वाह, अरे, शाबाश, अरे रे, छि:,** ये शब्द क्रमशः खुशी, आश्चर्य, प्रशंसा, दुख, घृणा के भाव दिखाते हैं । ये शब्द **विस्मयादिबोधक अव्यय** हैं ।